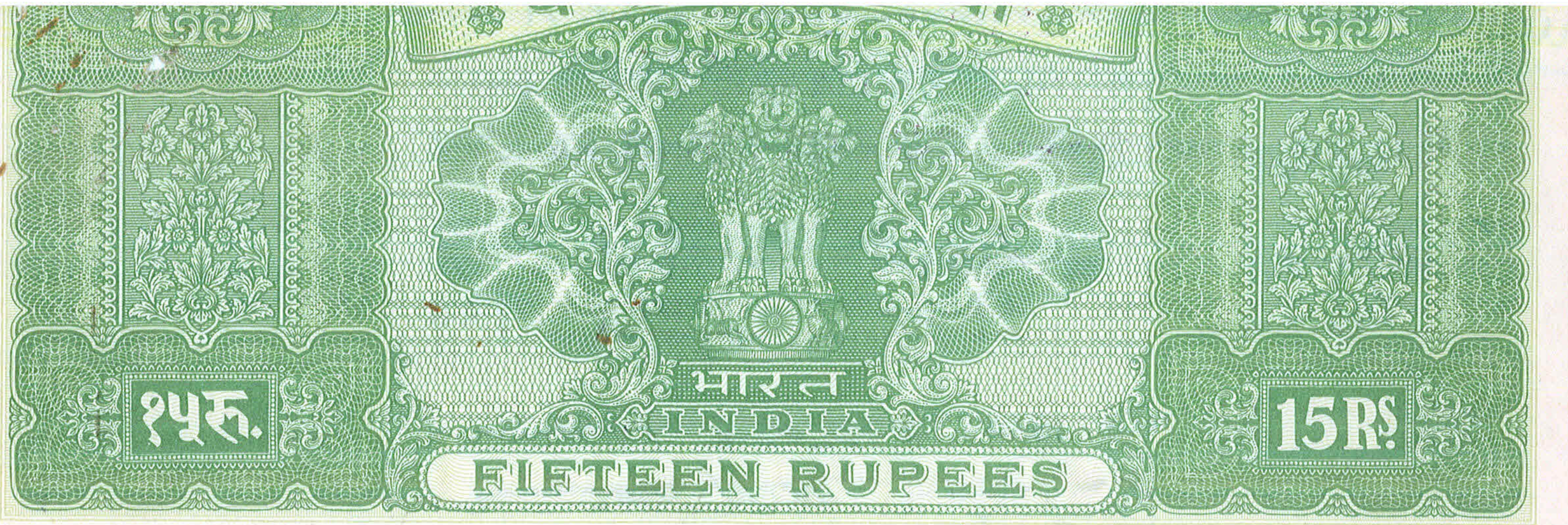

हम कि मथुरा प्रसाद वल्द महाबीर प्रसाद व चतुरी वल्द बदल व राम खेलावन वल्द बदल साकिन गयासुदीन पुर शहर इलाहाबाद के हैं ।

जो कि हम मुकिरान भूमिधर जमीन नम्बरी ४६ वाकै मौजा चक मुन्डेरा परगना चायल जिला इलाहाबाद के हैं और जिस पर हम लोग विला शिरकत गैरे काविज व दखील हैं, जिसकी तफसील नीचे दी जाती है चूंकि हम मुकिरान गयासुदीन पुर में रहते हैं और उपरोक्त जमीन हम लोगोंके मकान से बहुत दूर पड़ती है और इस जमीन का इन्तजाम करना मुशकिल पड़ रहा है और हम लोगों को रुपये वास्ते खरचा खानगी व बैल वैगरह खरीदने की जरूरत है । अत: हम लोगों ने प्रसन्न चित्त आपस में राय ले कर इस नतीजे पर पहुचें कि उपरोक्त जमीन फरोख्त कर दें और अपनी जरुरियात पूरी कर लें और हम लोगों ने अपना इरादा फरोख्तगी जाहिर किया तो श्री चुन्नी लाल जैन जमीन मजकूर को मु० ४००) चार सौ रु० में खरीदने को तैयार हैं इससे जायद कीमत किसी ने नहीं लगाई यह कीमत काफी और माकूल है । हम लोग दस गुवा जमा कर के उपरोक्त जमीनों के भूमिधर हो चुके हैं और हम लोगों को कुल अख्तियार मालिकाना हासिल है । अत: हम लोग प्रसन्न चित्त विना किसी दवाब के अपनी अच्छी तन्दुरुस्ती के हालत में जमीन नम्बरी ४६ छियालिस जिसका विवरण नीचे दिया गया है वाकै मौजा चक मुन्डेरा परगना चायल जिला इलाहाबाद में से साढे तीन विस्वा को विलएवज

हम कि मथुरा प्रसाद वल्द महाबीर प्रसाद व चतुरी वल्द बदल व राम खेलावन वल्द बदल साकिन गयासुद्दीन पुर शहर इलाहाबाद के हैं ।

जो कि हम मुकिरान भूमिधर जमीन नम्बरी ४६ वाकै मौजा चक मुन्डेरा परगना चायल जिला इलाहाबाद के हैं और जिस पर हम लोग विला शिरकत गैरे काविज व दखील हैं, जिसकी तफसील नीचे दी जाती है चूंकि हम मुकिरान गयासुद्दीन पुर में रहते हैं और उपरोक्त जमीन हम लोगोंके मकान से बहुत दूर पड़ती है और इस जमीन का इन्तजाम करना मुशकिल पड़ रहा है और हम लोगों को रुपये वास्ते खरचा खानगी व बैल वैगरह खरीदने की जरूरत है । अत: हम लोगों ने प्रसन्न चित्त आपस में राय ले कर इस नतीजे पर पहुचें कि उपरोक्त जमीन फरोख्त कर दें और अपनी जरुरियात पूरी कर लें और हम लोगों ने अपना इरादा फरोख्तगी जाहिर किया तो श्री चुन्नी लाल जैन जमीन मजकूर को मु० ४००) चार सौ रु० में खरीदने को तैयार हैं इससे जायद कीमत किसी ने नहीं लगाई यह कीमत काफी और माकूल है । हम लोग दस गुवा जमा कर के उपरोक्त जमीनों के भूमिधर हो चुके हैं और हम लोगों को कुल अख्तियार मालिकाना हासिल है । अत: हम लोग प्रसन्न चित्त विना किसी दवाब के अपनी अच्छी तन्दुरुस्ती के हालत में जमीन नम्बरी ४६ छियालिस जिसका विवरण नीचे दिया गया है वाकै मौजा चक मुन्डेरा परगना चायल जिला इलाहाबाद में से साढे तीन विस्वा को विलएवज

... नतम्बर सन् १९६४ ई० को श्री ... पुत्र ...
निवासी ग्याम उद्दीनपुर जिला इलाहाबाद के हाथ स्टाम्प इलाहाबाद से बेचा
दस्तखत ... स्टाम्प विक्रेता दीवानी कचहरी इलाहाबाद नं० ११८

बै नामा	फीस रजि०	उजरत	शब्द	योग
400.00	9.00	2.25	1.00	11.25

श्री / श्रीमती मथुरा प्रसाद
पुत्र / पत्नी / विधवा श्री महावीर प्रसाद
पेशा खेती निवासी मौज़ा / मुहल्ला ग्याम उद्दीनपुर
परगना चायल जिला इलाहाबाद ने कार्यालय स० र०
इलाहाबाद में आज ता० 20 नवम्बर सन् १९64
समय में 3 व 4 बजे दिन के पेश की।

मथुरा प्रसाद

S. ... 30-11-64
सब रजिस्ट्रार
इलाहाबाद

इस दस्तावेज़ के मज़मून को सुनने व समझने के बाद रु०
दस्तावेज़ की तकमील व इसमें दिये हुए विवरणानुसार मुआवज़ा
रु० 400) चार सौ रु० से जिसमें से रु० 200) दो सौ रुपया
रु० मेरे सामने ग्रहण कर के उक्त श्री / श्रीमती मथुरा प्रसाद व चुल्हा पुत्र बदल खेती साकिन ग्याम उद्दीनपुर
पेशा खेती व राम खेलावन पुत्र बदल पेशा स्वीकार किया।

स्वीकार करने वाले की पहिचान श्री ...
पुत्र श्री ...लाल पेशा ... निवासी ...
परगना चायल जिला इलाहाबाद व श्री बसन्त लाल
पुत्र श्री राम किशुन पेशा खेती निवासी ग्याम उद्दीनपुर
परगना चायल जिला इलाहाबाद ने की।

S. ... 30-11-64
सब रजिस्ट्रार
इलाहाबाद

मथुरा प्रसाद
नि० अंगूठा चुल्हा
राम खेलावन

...राम
बसन्तलाल यादव

UTTAR PRADESH 3Rs

INDIA

तीन रुपया | तीन रुपया

THREE RUPEES भारत THREE RUPEES

होता है बदस्त श्री चुन्नी लाल जैन पुत्र श्री अनन्त लाल जैन साकिन न० ३७ चाहचन्द शहर इलाहाबाद बेचा व बय कामिल किया और आज की तारीख से अपना कब्जा व दखल बेची हुई जमीन से उठा कर खरीदार का कब्जा व दखल करा दिया और मेरे कुल हक मालिकाना खरीदार की तरफ मुन्तकिल हो गये। खरीदार को हक है कि जो जो हक मालिकाना चाहें अमल में लावें और अपना नाम कागजात तहसीली वगैरह में दर्ज करा लेवें इसमें हम मुकिरान को न कोई उज्र है और न कोई उज्र आइन्दे को होगा। जमीन मुबैया हर तरह के बार से बरी व पाक व साफ है और इसमें कोई दूसरा साझी व शिरकत दार नहीं है यदि जमीन निजाई कुल या जुज़ कब्जा खरीदारान से निकल जावे तो खरीदार को हक होगा कि वह अपना कुल या जुज़ रुपया जैसी सूरत हो मय ब्याज व खिसारा के हमसे व हमारे वारिसान व कायम मुकामान से वसूल कर लेवें इसमें हमें या हमारे वारसान को कोई उज्र न है और न आईन्दा को होगा और जर समन बयनामा इस तौर से वसूल हुवा कि मु० २००) दो सौ रु० बयाना बता० २५-११-६४ को पा चुका हूँ और बकिया मु० २००) दो सौ रु० नगद रुबरु सब रजिस्ट्रार वसूल पाया इस तौर से कुल ४००) चार सौ रु० वसूल हो गया

ता०......9.0 माह नवम्बर सन् १९८४ई० को श्री मथुराप्रसाद निवासी ग्राम पाण्डेयपुर जिला इलाहाबाद के हाथ स्टाम्प ... दस्तखत ... स्टाम्प विक्रेता दीवानी कचहरी इलाहाबाद न० 216

जिला न्यायाधीश इलाहाबाद
उत्तर प्रदेश

लिहाजा यह चन्द कल्मा वतौर बयनामा कतई लिख दिया कि सनद रहै और वक्त जरुरत पर काम आवे।

तफसील जायदाद मुबैया

जमीन नम्बरी ४६ छियालिस जिसकी चौहद्दी निम्नलिखित है वाक्य मौजा चक मुन्डेरा परगना चायल जिला इलाहावाद में का साढे तीन विस्वा ।

उत्तर- सड़क पोख्ता न० ४५ ।

दक्खिन- खेत न० ४७ हनुमान वगैरह ।

पूरब- खेत न० ६८ विन्देसरी व बच्चन वगैरह।

पच्छिम- सरहद मुन्डेरा ।

नोट - पन्ना एक के सतर तेरह में गुना गन्दा है ।

मथुराप्रसाद रामखेलावन

टाईप कर्ता- Ganesh Gupta

मसविदा कर्ता- Kanhaiyalal Mishra Advocate 30-11.64

दिनांक- ३० तीस नवम्बर सन् ६४ ई०

बही नं० १ जिल्द ४२ - ८१ के पन्ना १६८ तक १६९ पर क्रमांक ३१६ दर्ज की
आज ता० २ दिसम्बर सन [illegible] ई० को रजिस्ट्री की गयी।

S.R.

[illegible] इलाहाबाद [illegible]
सत्यमेव जयते
उत्तर प्रदेश